उत्तर प्रदेश में बनेंगे 450 आटोमैटिक वेदर स्टेशन

चर्चा में क्यों?

5 अक्तूबर 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार राहत विभाग ने प्रदेश में 450 आटोमैटिक वेदर स्टेशन और 2000 आटोमैटिक रेन गेज लगाने के लिये कार्यादेश जारी कर दिया है।

प्रमुख बिंदु

- प्रदेश में अगले मानसून सत्र से तहसील और ब्लॉक स्तर पर मौसम की सटीक पूर्व जानकारी मिलेगी। वहीं गाँवों में वर्षा का एकदम सही माप भी सामने आएगा।
- कई बार ग्रामीण और शहरी इलाकों में तेज बरसात और आंधी के कारण नुकसान होता है। अतिवृष्टि की स्थिति में लोगों को समय पर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने में भी मुश्किल होती है। इस तरह की समस्याओं के समाधान के लिये राहत विभाग 450 एडब्ल्यूएस और 2000 एआरजी लगा रहा है।
- इनके लिये 80 कर्मचारी भी तैनात किये जाएंगे। विभाग ने 142.16 करोड़ रुपए का बजट जारी किया है। ये संयंत्र लगने के बाद हर क्षेत्र में मौसम और बरसात की सटीक जानकारी मिल सकेगी और इससे आपदा से होने वाले नुकसान को रोकने में मदद मिलेगी।
- राहत विभाग की ओर से लखनऊ, अलीगढ़, झाँसी और आजमगढ़ में डाप्लर वेदर राडार लगाए जाएंगे। यह राडार बारिश की तीव्रता, हवा की गति के नापने के साथ बवंडर की दिशा भी बताएंगे। इन चार ज़िलों में राडार लगाने के लिये 26.12 करोड़ रुपए मंजूर किये गए हैं।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/450-automatic-weather-stations-will-be-built-in-uttar-pradesh